

राहुल गांधी के लिए अंतिम विकल्प है वोटर अधिकार यात्रा

- बिहार के चुनाव परिणाम पर असर डाल सकेंगे, तो होगा बड़ा पार
- पहले तीन दिन की यात्रा ने कोई बड़े बदलाव का संकेत नहीं दिया
- बड़ा सवाल: क्या वाकई बदल पायेंगे महागठबंधन का सियासी गणित

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं। उनके साथ राजद नेता और बिहार में महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव भी हैं। इसके पहले उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' निकाली थी। अब दो यात्राओं से लोकसभा चुनाव के काफ़ी बढ़ा था। उसकी सीटें बढ़ीं और अधिकार यात्रा' के जरिये राहुल गांधी और तेजस्वी यादव उसी संदेश को मजबूत करने की कार्रवाई कर रहे हैं। यह यात्रा महागठबंधन का गढ़ और वहाँ से उसकी किस्मत बदलनेवाली। राहुल गांधी की पहली यात्रा

तो बिहार नहीं आयी थी, लेकिन 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान तेजस्वी ने राज्य में राजद के वेतनवृत्त को दिखाया था। अब 'वोट अधिकार यात्रा' के जरिये राहुल गांधी और तेजस्वी यादव उसी संदेश को मजबूत करने की कार्रवाई कर रहे हैं। यह यात्रा महागठबंधन का गढ़

माने जानेवाले क्षेत्रों से होकर जुजरेगी। राहुल की पिछली यात्रा में महागठबंधन के चुनावी प्रदर्शन के लिए उसी से सफल रहे थे। शायद उसी सफलता ने राहुल गांधी और बहुत हृषि करने के लिए प्रेरित किया है। हालांकि इस

पृष्ठभूमि में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) एक सामयिक और प्रासादिक मुद्दा बन गया। राजनीतिक दृष्टि से देखें, तो राहुल गांधी के लिए यह यात्रा उनके राजनीतिक पुनर्वास का अतिम विकल्प है, क्योंकि यदि इस बार वह बिहार के चुनाव परिणाम को प्रभावित करने में सफल नहीं हो सके, तो फिर वह राजनीतिक बियाबान में जाने के मजबूर होंगे। क्या है राहुल गांधी की इस यात्रा का सियासी मतलब और तीन दिन की यात्रा का राजनीतिक असर क्या है। बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



यात्रा के दौरान युजेर, उनमें से 41 सीटों का कांग्रेस और ईडिया गठबंधन के सहयोगी दल जीतने में कामयाब रहे। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' ने 71 सीटों में राजद के वेतनवृत्त को दिखाया था। अब 'वोट अधिकार यात्रा' के जरिये राहुल गांधी और तेजस्वी यादव उसी संदेश को मजबूत करने की कार्रवाई कर रहे हैं। यह यात्रा महागठबंधन का गढ़

वेतनों की चोरी हुई है। बिहार में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर भी चुनाव आयोग को वह निकले हुए हैं। राहुल की इस यात्रा का मकास जनता को उसके वोट के अधिकार के बारे में बताना है। दरअसल कांग्रेस और राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र चुनाव में विपक्ष का नेता बनने का अधिकार भी मिला।

'वोट अधिकार यात्रा' से क्या बदलेगा सियासी गणित

कांग्रेस-आरजेडी के साथ

मिलकर इस बार बिहार में सत्ता परिवर्तन का सपना देख रही है।

लोकसभा चुनाव को देखें, तो राहुल गांधी जिन सीटों से अपनी

इसको हकीकत में बदलने का मोर्चा खुद राहुल गांधी ने संभाल लिया है। जन-जन को साधने के लिए वह 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं। राहुल की इस यात्रा का मकास जनता को उसके वोट के अधिकार के बारे में बताना है। दरअसल कांग्रेस और राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र चुनाव में विपक्ष का चारों दोनों वेतनों की चोरी हुई है। बिहार में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर भी चुनाव आयोग को वह निकले हुए हैं। वोट चोरी पर सरकार और चुनाव आयोग को घेने के लिए राहुल 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बिहार में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर भी चुनाव आयोग को वह निकले हुए हैं। वोट चोरी पर सरकार और चुनाव आयोग को घेने के लिए राहुल 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों की तरह दलित भी बिहार में कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक रहा है। बिहार में दुसरी पारी 'वोट अधिकार यात्रा' पर निकले हुए हैं, जो 23 जिलों से होकर युजरेही। इसकी शुरुआत राहुल ने सासाराम जाता रहा है, लेकिन 2024 के

वेतनों की चोरी हुई है। बाबू जगजीवन राम और पिर उनकी बेटी मीरा कुमार यहाँ से संसद चुनी जाती रहीं। मुस्लिमों

શાંતિ-આસપાસ

બિરસા કોલેજ કી છાગા ને ફાંસી લગાકર કી ખુદકૃષી ખુંટી (આજાદ સિપાહી)। બિરસા કોલેજ તંત્ર ખુંટી કી છાગા છાગા કુમારી ઉફ. તંત્રલુલી (18 વર્ષ) ને ફાંસી લગાકર આંમન્દત્વા કર લી. વહ તોરણ પ્રખંડ કે અંગચારીની મેં કિરાતી કે મકાન મેં અપને પરિવાર કે સાથ રહ્યી થી। મુજબ સુરેણ પણ એ પુરી ગી. જાનકારી કે અનુસાર, સોમવાર કે કાલેજ સંસ્કૃતીની કો બાદ છાગા કુમારી અપને કર્માં મેં ચરી ગી. કુઠ દેર બાદ ઉસને ફાંસી લગાકર અપની જાનલીલા સમાપ્ત કર લી. શામ કીરી છે બજે પરિણામોનો કો ઇસકી જાનકારી હુંડી આનં-ફાનં મેં ઉસે સદર અસ્પતાલ, ખુંટી લે જાયા ગ્યા. વહાં ડૉટરોને ઉસે મૃત ઘોષિત કર દિયા। પુલિસ ને મંગલવાર કો સરદ અસ્પતાલ મેં પોસ્ટમાર્ટમ કરાવે કે બાદ શરૂ કો સ્વજનોની કો સૌંપ દિયા ગ્યા. છાગા ને ફાંસી વ્યોં લાઈઝ, ઇસકા ખુલાસા નહીં હુંદું હૈ. પુલિસ મામલે કી જાંચ કર રહી હૈ।

ડકરા ઇંદ્રામ વિશ્વકર્મા પૂજા સમિતિ કા ગઠન



ડકરા (આજાદ સિપાહી)। ડકરા ઇંદ્રામ વિશ્વકર્મા પૂજા મામલાને કો લેકર અધિકારી કે કર્મચારીઓની કી બેઠક હુંડી। બેઠક પ્રોજેક્ટ ઇંડીનિયર પ્રકાશ હજારોને કે ચિયા। બેઠક મેં પ્રોજેક્ટ ઇંડીનિયર અસ્થા મીણા, ફોર્મેટ માં જિયાનાન આલમ, માં યાકૂબ રાજેન્ડ કુમાર દાલાઈ, વસીમ હસ્ન, અખર મિયાં, તરુણ પ્રસાદ, જયપ્રકાશ મહેતા, રાહુલ ગંધુ, કરનેશર ગંધુ, રાજેશ ટાના ભગત, કૈલાશ લોહાર, ભરત ગંધુ, ગેંગ ગંધુ, અસ્થા યાદવ, ઉપદેશ યાદવ, સુન્ન, ચિત્રંજન, જિયિન મંડુ, બીજી ગંધુ, બાના લોહાર, સેમર મહોન, બુધન ગંધુ, શેમશેર રણજિત અસ્થા મૈન્જર થે।

રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત 13 સિંબાંગ કો, તૈયારી કો લેકર બેઠક

ખુંટી (આજાદ સિપાહી)। વ્યવહાર ન્યાયાલય મેં 13 સિંબાંગ કો આયોજિત હોનેવાળી રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત ની તૈયારી કો લેકર વ્યવહાર ન્યાયાલય મેં પ્રધાન જિલા એવં સત્ર ન્યાયાલી કો અધિકારીઓની કી અધિકારીઓની એસ્પેશન, ડીલીઓ, લેલીઓ, એવં બેઠક પદાર્થકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં અધિક સે અધિક વાદોની નિષ્પાન કરું જોઈએ। એસ્પેશન, ડીલીઓ, લેલીઓ, એવં બેઠક પદાર્થકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ। ડાલસા સંવિષેષ રાજીશી અર્પણ કુર્જાને બેઠક ની રીતે કો રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત સે સહયોગ બેઠક ની રીતે કો અધિકારીઓની એસ્પેશન, ડીલીઓ, લેલીઓ, એવં બેઠક પદાર્થકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ। ડાલસા સંવિષેષ રાજીશી અર્પણ કુર્જાને બેઠક ની રીતે કો રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત સે સહયોગ બેઠક ની રીતે કો અધિકારીઓની એસ્પેશન, ડીલીઓ, લેલીઓ, એવં બેઠક પદાર્થકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

માંડર ટોલ પ્લાઝ મૈનેજર કે દુર્ઘાત્મક કાર્યકર્માની પૂજા સમિતિ કી લેકર બેઠક

માંડર (આજાદ સિપાહી)। માંડર રિસ્ટેરેન્ટ 39 માર્ગ કો ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો બેઠક ની રીતે કો અધિકારીઓની એસ્પેશન, ડીલીઓ, લેલીઓ, એવં બેઠક પદાર્થકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં અધિક સે અધિક વાદોની નિષ્પાન કરું જોઈએ। એસ્પેશન, ડીલીઓ, લેલીઓ, એવં બેઠક પદાર્થકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દિયા કે રાષ્ટ્રીય લોક અદાલત મેં સહયોગ કરું જોઈએ।

પ્રત્રકાર રસ્મતુલ્લાના અંસારી કા આયોજન, માંડર ટોલ પ્લાઝ માનેજર કો અધિકારીઓની કી નિર્દેશ દ

